माननीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने विश्व कौशल प्रतियोगिता 2022 के विजेताओं को सम्मानित किया और भारत कौशल 2023-24 का शुभारंभ किया

नई दिल्ली, 17 अक्तूबर 2023: माननीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने विश्व कौशल प्रतियोगिता 2022 विशेष संस्करण में प्रदर्शित उनकी उत्कृष्ट प्रतिभा और कौशल की सराहना करते हुए भारत के 18 उम्मीदवारों को सम्मानित किया। भारत ने 50 कौशलों में भाग लिया और 2 रजत पदक, 3 कांस्य पदक और 13

उत्कृष्टता पदक के साथ 11वां स्थान प्राप्त किया। एक भव्य कार्यक्रम के दौरान विजेताओं और उनके विशेषज्ञ प्रशिक्षकों को प्रमाण-पत्र और नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

माननीय मंत्री जी ने इस महत्वपूर्ण अवसर पर देश की सबसे महत्वपूर्ण और प्रतीक्षित राष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता, इंडियास्किल्स 2023-24 की शुरुआत की भी घोषणा की। इसके साथ ही उम्मीदवार आज से स्किल इंडिया डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपना नामांकन करा सकते हैं। इस कार्यक्रम में कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के सचिव श्री अतुल कुमार तिवारी, यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के अपर सचिव श्री कृष्ण कुमार द्विवेदी, प्रो. टी.जी. सीताराम, अध्यक्ष एआईसीटीई, सुश्री त्रिशलजीत सेठी, महानिदेशक (प्रशिक्षण), और श्री वेद मणि तिवारी, सीईओ, एनएसडीसी और एमडी, एनएसडीसी इंटरनेशनल, उपस्थित थे।

वर्ल्डस्किल्स प्रतियोगिता 2022 विशेष संस्करण वर्ल्डस्किल्स शंघाई 2022 का आधिकारिक प्रतिस्थापन था, जिसे महामारी के कारण मई में रद्द कर दिया गया था। अपने मूल प्रारूप से हटकर, कौशल प्रतियोगिताएं 7 सितंबर से 26 नवंबर 2022 के बीच 15 देशों और क्षेत्रों में 12 सप्ताह तक आयोजित की गईं।

रजत पदक विजेताओं को 8 लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया, जबकि उनके विशेषज्ञों को 3 लाख रुपए मिले। कांस्य श्रेणी के विजेताओं को 6 लाख रुपए और उनके विशेषज्ञों को 2 लाख रुपए दिए गए। उत्कृष्टता पदक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों और विशेषज्ञों को क्रमशः 2 लाख रुपए और 1 लाख रुपए के नकद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए, **माननीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा,** "माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, हम 21वीं सदी में नेतृत्व करने के लिए दक्षताओं, व्यावहारिक ज्ञान और व्यावहारिक प्रशिक्षण को समान महत्व दे रहे हैं। कौशल प्रतियोगिताएं हमारी कौशल प्रणाली के एक प्रमुख घटक का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो भारत के युवाओं की रोजगार क्षमता और बाजार स्वीकृति को बढ़ाती हैं, जो राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में शिक्षा के साथ कौशल विकास के एकीकरण को औपचारिक रूप देने के साथ, मुझे विश्वास है कि एमएसडीई वर्ल्डस्किल्स 2023-24 में भारत की भागीदारी के परिदृश्य को व्यापक बनाएगा और शीर्ष 10 स्थानों के अंतर्गत आएगा। मैं उद्योग, शिक्षा जगत और नीति निर्माताओं से एक साथ काम करने और वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए कौशल विकास को एक जन-आंदोलन (जन-आंदोलन) बनाने का आग्रह करता हूं।

इस कार्यक्रम में, विजेताओं ने अपनी प्रेरणादायक कहानियां भी साझा कीं कि कैसे उन्होंने घातक महामारी सहित सभी बाधाओं के विरुद्ध लड़ाई लड़ी, विदेश यात्रा की और अपने संबंधित ट्रेडों में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवारों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा की, अटूट दृढ़ संकल्प और एक अटूट जुनून का प्रदर्शन किया। उनका उल्लास और उत्साह न केवल प्रेरणा का स्रोत रहा है, बल्कि दूसरों को राज्य और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रोत्साहित करने की प्रेरक शक्ति भी है।

46वें वर्ल्डस्किल्स की योजना मूल रूप से वर्ष 2021 के लिए बनाई गई थी और महामारी के कारण वर्ष 2020 में इसे स्थगित कर दिया गया था। इस विशेष संस्करण में 84 दिनों में 29 अलग-अलग आयोजनों में 400,000 से अधिक आगंतुकों का स्वागत किया गया। 56 सदस्य देशों और क्षेत्रों के लगभग 1,000 प्रतिभागियों ने 62 कौशल प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

भारत ने 56 प्रतियोगियों और 50 विशेषज्ञों के साथ 50 कौशलों में भाग लिया और वेल्डिंग, प्लंबिंग और हीटिंग, सीएनसी मिलिंग, सीएनसी टर्निंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और ब्रिकलेइंग जैसे कौशल में 19% महिलाओं की भागीदारी देखी गई, जो पारंपरिक रूप से पुरुषों द्वारा किए जाते थे। यह माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विज़न - राष्ट्र के विकास के लिए नारी शक्ति का उपयोग करने के अनुरूप है।

टीम इंडिया ने इंडस्ट्री 4.0, रोबोट सिस्टम इंटीग्रेशन, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, नवीकरणीय ऊर्जा, मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपमेंट, डिजिटल कंस्ट्रक्शन के अंतर्गत सूचीबद्ध छह नए भावी कौशल में भी भाग लिया।

इसके अलावा, विश्व कौशल प्रतियोगिता 2011 में 39वें स्थान से वर्ष 2022 में 11वें स्थान पर अवस्थांतरित युवाओं के बीच उनके करियर के क्षितिज को व्यापक बनाने और वर्तमान में मौजूदा जॉब बाज़ार में उनकी नियोजनीयता बढ़ाने के लिए कार्यबल को विविध कौशल सेटों से लैस करने के लिए बहु-उद्योग प्रशिक्षण की बढ़ती आवश्यकता को दर्शाता है। कौशल प्रतियोगिताएं भी बिना किसी जेंडर भेद-भाव के और वेल्डिंग, प्लंबिंग और हीटिंग, सीएनसी मिलिंग, सीएनसी टर्निंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, ब्रिकलेइंग, नवीकरणीय ऊर्जा, उद्योग 4.0, मेक्ट्रोनिक्स और रोबोट सिस्टम एकीकरण जैसे पारंपरिक रूप से पुरुषों द्वारा किए जाने वाले कौशल में महिला भागीदारी महत्वपूर्ण संख्या में है। इसके अतिरिक्त, भारत कौशल प्रतियोगिता 2023-24 का शुभारंभ कौशल के वैश्विक मानकों को बढ़ावा देने, प्रतिस्पर्धात्मकता प्रदान करने और नवाचार को प्रोत्साहित करके युवा भारत की आकांक्षा को

पूरा करता है। यह प्रतियोगिता ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रीन जॉब्स और मैन्युफैक्चरिंग सहित 15 से अधिक क्षेत्रों अर्थात ऑटोबॉडी रिपेयर, सीएनसी मिलिंग, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, रोबोट सिस्टम इंटीग्रेशन, वॉटर टेक्नोलॉजी और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे ट्रेडों में प्रतिस्पर्धी प्रतिस्पर्धा करेंगे।

वर्ल्डस्किल्स या इंडियास्किल्स जैसी कौशल चैंपियनशिप उभरते पेशेवरों को अपने कौशल को पूर्णता के साथ प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करके उनके करियर को आगे बढ़ाने में सहायक हैं। यह कौशल अंतर को कम करने और युवाओं को लगातार विकसित हो रहे जॉब मार्किट के लिए तैयार करने हेतु सरकारों, उद्योग और शिक्षा जगत में सहयोग की सुविधा भी प्रदान करता है। आगे चलकर, ऐसे प्रयास भारतीय युवाओं को दक्षता, उत्कृष्टता और उत्पादकता के विश्व स्तरीय मानकों को प्राप्त करने में मदद करेंगे।

अनुबंध

क्र.सं.	नाम	पदक	कौशल	अतिथि देश	विशेषज्ञ का नाम
1	प्रवीण कुमार गिरि	रजत	जल प्रौद्योगिकी	स्टटगार्ट, जर्मनी	रजत कुमार
2	नंदिता सक्सेना	रजत	पेस्ट्री और मिष्ठान्न	ल्यूसर्न, स्विट्जरलैंड	विनेश जॉनी
3	लिकिथ कुमार वाईपी	कांस्य	प्रोटोटाइप मॉडलिंग	बर्न, स्विट्जरलैंड	भास्कर सिंह बी
4	कार्तिक गौड़ा और-अखिलेश नरसिम्हामूर्ति	कांस्य	मेकाट्रोनिक्स	स्टटगार्ट, जर्मनी	भाग्यश्री पाटिल
5	अनुश्री श्रीनिवासन	कांस्य	होटल रिसेपसन	मॉन्ट्रो, स्विट्ज़रलैंड	आगमन बाउरी
6	स्टीवन हैरिस	उत्कृष्टता के लिए पदक	ग्राफ़िक डिज़ाइन तकनीक	औरौ, स्विट्ज़रलैंड	सतीश नारायण
7	प्रथम शर्मा	उत्कृष्टता के लिए पदक	बेकरी	ल्यूसर्न, स्विट्जरलैंड	डॉ. एविन
8	अभिनव वर्मा	उत्कृष्टता के लिए पदक	3डी डिजिटल गेमिंग कला	कोरिया, गोयांग	प्रदीप कुमार
9	वैसाख	उत्कृष्टता के लिए पदक	सूचना नेटवर्क केबलिंग	जापान, क्योटो	निनाद देसाई
10	अद्वैत	उत्कृष्टता के लिए पदक	वेब प्रौद्योगिकियां	कोरिया, गोयांग	ध्रुव जोशी
11	सुबासिस पॉल	उत्कृष्टता के लिए पदक	आभूषण	जिनेवा, स्विट्जरलैंड	अनुपम कर्मकार
12	सोनू लाठर	उत्कृष्टता के लिए पदक	ऑटोबॉडी मरम्मत	बर्न, स्विट्जरलैंड	धवल राजपूत

13	मोहम्मद सियाद और मोहम्मद फैसल	उत्कृष्टता के लिए पदक	मोबाइल रोबोटिक्स	बोर्डो, फ़्रांस	करण पाटिल
14	सरस्वती पी.वी	उत्कृष्टता के लिए पदक	स्वास्थ्य और सामाजिक देख-भाल	बोर्डो, फ़्रांस	जयदीप हर्बर्ट
15	दिव्येज्या	उत्कृष्टता के लिए पदक	फैशन टेक्नोलॉजी	हेलसिंकी, फिनलैण्ड	मोनिका गुप्ता
16	चार्मी सेन	उत्कृष्टता के लिए पदक	हज्जाम की दुकान	हेलसिंकी, फिनलैण्ड	सामंथा कोचहर
17	सुब्रत पटेल	उत्कृष्टता के लिए पदक	रेस्तरां सेवाएं	ल्यूसर्न, स्विट्जरलैंड	परितोष बराल
18	मोहम्मद सलमान	उत्कृष्टता के लिए पदक	ऑटोमोबाइल प्रौद्योगिकी	ड्रेसडेन, जर्मनी	प्रसन्ना समेल

<u>विश्व कौशल के बारे में</u>

वर्ष 1950 में स्थापित, वर्ल्डस्किल्स कौशल उत्कृष्टता और विकास का वैश्विक केंद्र है। वर्ल्डस्किल्स युवाओं, उद्योगों और शिक्षकों को एक साथ लाता है ताकि युवाओं को प्रतिस्पर्धा करने, अनुभव करने और सीखने का मौका दिया जा सके ताकि वे अपनी पसंद के कौशल में सर्वश्रेष्ठ बन सकें। पारंपरिक व्यवसायों से लेकर उद्योग और सेवा क्षेत्रों में बहु-कुशल प्रौद्योगिकी करियर तक, भागीदारों, उद्योगों, सरकारों, स्वयं सेवकों और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा समर्थित, वर्ल्डस्किल्स का विज़न कौशल की शक्ति के माध्यम से दुनिया को बेहतर बनाना है। इसके 85 सदस्य देश और क्षेत्र हैं, जो आज के कार्यबल और प्रतिभा भावी जॉब के लिए तैयार करने में मदद करने के लिए युवाओं, शिक्षकों, सरकारों और उद्योगों के साथ काम कर रहे हैं।

<u>विश्व भारत कौशल के बारे में</u>

वर्ल्डस्किल्स इंडिया कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) की एक पहल है जो वर्ष 2011 से वर्ल्डस्किल्स अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत की भागीदारी का नेतृत्व कर रही है। विश्व स्तर पर प्रासंगिक कौशल में अपने युवाओं को प्रशिक्षित करने के भारत के मिशन में कौशल प्रतियोगिताएं हमेशा से ही शक्ति बढ़ाने वाली रही हैं। यह टीम वर्क, संचार, समस्या-समाधान और समय प्रबंधन जैसे सॉफ्ट कौशल विकसित करके युवाओं को अधिक रोजगारपरक बनने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ये प्रतियोगिताएं युवाओं को अपने क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ पेशेवरों को

करीब से देखने और उनके मानकों को वैश्विक स्तर तक बढ़ाने का एक अनूठा अवसर भी प्रदान करती हैं।